



# JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE

(University of Delhi)

Sir Ganga Ram Hospital Marg,

New Delhi – 110 060, Ph.: 011-2578 7754

Email: [principal@jdm.du.ac.in](mailto:principal@jdm.du.ac.in); Website: [www.jdm.du.ac.in](http://www.jdm.du.ac.in)

## प्राचार्य द्वारा अभिभावकों को एक खुला पत्र

प्रिय अभिभावकों और छात्राओं

इस नए रूप के शैक्षणिक सत्र में स्वागत !

हम में से किसी ने भी नहीं सोचा था, कि एक समय में हमें पढ़ने और पढ़ाने के नए तरीकों को अपनाना होगा। जो कि पारंपरिक कक्षाओं से बिल्कुल अलग है, लेकिन आवश्यकता आविष्कार की जननी है यह भी सत्य है। इस बदलते समय की मांग के अनुसार हमें भी शिक्षण के नए तरीकों को अपनाना होगा। साथ ही इस शिक्षण पद्धति को कारगर करने के लिए हमें आपके सहयोग की भी आवश्यकता है।



अपने विचार रखने से पूर्व मैं आप सभी को आश्वासन देती हूँ, मैं जो बातें आप सभी के साथ साझा कर रही हूँ वह केवल सिफारिश है, सलाह है। क्योंकि वर्तमान में शिक्षण अध्ययन-अध्यापन पद्धति को अपनाने के समय हमें बहुत सी समस्याओं से जूझना है। आप सभी इसे केवल सुझाव के रूप में ही ग्रहण करें जो कि आपके बच्चों को एक बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकती है।

कुछ निम्न सुझाव इस प्रकार हैं

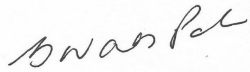
1. शिक्षा आपके बच्चों की बेहतर भविष्य के लिए सबसे अच्छा निवेश है। सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में जिसमें जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज भी सम्मिलित है। इन सभी शिक्षण संस्थानों में फीस अत्यंत न्यून है। लेकिन यह से सभी संस्थान प्रशिक्षित संकाय, शिक्षण और अच्छी सुविधाएं मुहैया कराते हैं वस्तुतः आज हम परिस्थिति वश शिक्षण के नए रूप ऑनलाइन टीचिंग को अपना रहे हैं, इसीलिए आपसे आग्रह है अपने बच्चों के लिए लैपटॉप /आईपैड /पीसी आदि में कुछ निवेश करें, जिससे आपका बच्चा सुविधा पूर्वक अपनी ऑनलाइन कक्षाओं में सम्मिलित हो सके। सामान्य दिनों में इस प्रकार की सुविधाएं हम मिलजुलकर प्रयोग कर लेते थे, लेकिन वर्तमान समय में यह अत्यंत कठिन है कि एक ही समय में अनेक व्यक्ति इन सुविधाओं का यह प्रयोग कर सकें। अतः आप अपने बच्चों को ऑनलाइन अध्ययन अध्यापन से जुड़ने के लिए इनमें से कोई एक विकल्प अवश्य प्रदान करें।
2. आप सभी ने अपने बच्चों को उपर्युक्त सुविधाएं दी हैं, तो एक अन्य समस्या भी आ जाती है कनेक्टिविटी की। इसीलिए कॉलेज आपको सलाह देता है कि आप अपना अगला निवेश नेटवर्क से संबंधित हाई स्पीड वाईफाई कनेक्शन या अन्य जो भी आप अपने घरों में प्रयोग कर रहे हैं, उस पर करें क्योंकि कई बार वाईफाई की स्पीड के लिए बूस्टर का भी प्रयोग किया जाता है। तभी सभी स्थानों पर नेटवर्क काम करता है।
3. ऑनलाइन शिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान फेकेल्टी का होता है। जो इस शिक्षण पद्धति को आकर्षक और सजीव रूप देते हैं। लेकिन यदि विद्यार्थी इन कक्षाओं के प्रति सजग नहीं होता सक्रिय नहीं रहता तो, शिक्षक के सारे प्रयास विफल हो जाते हैं। केवल लॉगइन करना ही की उपस्थिति दर्ज हो जाए यह ठीक नहीं है, यद्यपि उपस्थिति अनिवार्य है, यह विद्यार्थी की जिम्मेदारी है कि वह इमानदारी और सहयोगी भाव से अपनी कक्षाओं में भाग ले। साथ ही सजगता, सक्रियता, से अपने सारे असाइनमेंट शिक्षकों द्वारा दी गई पाठ्य सामग्री को नियमित तौर पर पूरा करें। यहां मैं छात्राओं से अपील करती हूँ, कि आप कृपया अपनी कक्षाओं के प्रति किसी भी प्रकार की बेईमानी ना करें। आप अपनी ईमानदारी के प्रति स्वयं उत्तरदाई हैं, आप शिक्षकों को मूर्ख नहीं बना सकते। अंततः आप ही अपनी कक्षाओं से प्राप्त शिक्षा का लाभ उठाएं। आप अब छोटे बच्चे नहीं हैं कि हर समय आपके अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा

आप को अनुशासन का पाठ पढाया जाए, आप आज के युवा है युवा पीढ़ी हैं, आप को यह साबित करना है कि आप वर्तमान के बदलते माहौल में कितने सजग सक्रिय, सचेत, जिम्मेदार और सकारात्मक सोच के साथ जी रहे हैं। अभिभावकों से यह उम्मीद ना करें कि वह आपको पढने और कक्षाओं की सक्रियता के लिए कहे। आप स्वयं गंभीरतापूर्वक अपने कार्य के प्रति सजग रहें। अभिभावकों से भी अपील करती हूं कि अपने बच्चों को यह सलाह दें कि वे अपनी सभी कक्षाओं के प्रति सजग रहें। इसके अतिरिक्त कॉलेज की ओर से अन्य प्रकार की अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। जिनमें ऐडऑन कोर्सेज, पाठ्येतर गतिविधियां वेबिनार, इंटरनेशिप आदि। आप यकीन मानिए यह सभी सार्थक आकर्षक और ज्ञान को समृद्ध करने वाली हैं, आप यदि ऑनलाइन शिक्षण पद्धति के प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं तो यह निश्चित ही आपको लाभ देगी।

अंततः मैं आपको अपने निरंतर सहयोग के प्रति आश्वासित करती हूं। यदि आपकी किसी भी प्रकार की विशेष समस्या है तो आप ईमेल के द्वारा मुझसे संपर्क कर सकते हैं [principal@jdm.du.ac.in](mailto:principal@jdm.du.ac.in) संकाय के सभी सदस्य नॉन टीचिंग स्टाफ आपके सहयोग के लिए सजग है, जो भी बेहतर सेवा हम दे सकते हैं, देंगे। बिना किसी हिचकिचाहट के आप अपनी समस्या हमसे साझा कर सकते हैं।

आप सभी के बेहतर स्वास्थ्य और प्रसन्नता की कामना करती हूं। शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।

शुभेच्छा



डॉ स्वाति पाल  
प्राचार्य

---

## *AN OPEN LETTER TO THE PARENTS AND THEIR WARDS FROM THE PRINCIPAL*

Dear Parents and Students,

Warm welcome to a brand new academic session!

Nobody ever imagined that a situation would arise in which we would be meeting virtually and in which teaching and learning would be taking place outside a traditional classroom. But it is said that change is the only constant factor and that necessity is the mother of invention. In these changed times therefore, we have to be inventive in the teaching learning process. In order that it is successful, we need your help.

At the outset, let me assure you that I am only making certain recommendations and giving advice keeping in mind the practical challenges faced in the teaching learning process in the current scenario. IN NO WAY are my suggestions to be seen as compulsory or mandatory rules; they may be read as an advisory to ensure that your ward gets the best education possible in the circumstances. So here are my suggestions.

First, education is the best investment that you can make for your ward. The cost of higher education in government colleges including JDMC is really quite nominal given the excellence of the faculty and the facilities offered. Hence, since we have had to move to online platforms for regular teaching and learning, it is **recommended** that you invest in a laptop/ipad/PC for your ward so that she can comfortably attend her classes. Sharing these facilities may have been perfectly fine in a 'normal' time but may be very difficult now when everyone may need access to the facility at the same time. Hence an instrument that can facilitate online teaching learning could be made available to your ward exclusively.

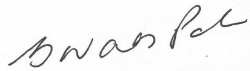
Second, you may have made the above available to your ward but it will hardly help if the connectivity is an issue. Hence, it is **advised** that your next investment could be to ensure that all possible high speed connectivity modes are made available at your residence. Sometimes we may need a booster in a particular room as not all spaces are evenly covered by the wifi.

Third, the online classes require a great deal of effort on the part of the faculty to make them effective and lifelike. That effort will be in vain if students do not take their classes seriously and simply log in with the purpose of ensuring their attendance marks. While attendance is mandatory, it is important that students cooperate and are honest in attending the class, pay attention and ensure that they complete the assignments and readings given to them by the teachers. Here I **appeal** to the students: please do not be dishonest in the way you attend classes. Please be responsible and show your integrity by not attempting to fool your teachers. Ultimately it is YOU stand to benefit from the classes. You are not kids who need to be disciplined all the time by parents and teachers. You are young adults who must prove that you can be trusted to be responsible and to respond positively to a changed environment. Do not expect your parents to chase you to attend classes or take your work seriously. I appeal to the parents too: please advise your ward to be serious about her classes. A whole lot of other activities too are being made available by the college such as add on courses, extracurricular activities and internships as well as webinars etc. Believe me, you will find it very meaningful, enriching and exciting if you have a positive attitude towards the online mode and derive the best possible benefit from it.

Finally, I assure you of my constant support. You know that you can always reach out to me by sending an email to me at [principal@jdm.du.ac.in](mailto:principal@jdm.du.ac.in) if you have a specific problem or issue. All faculty members as well as the non teaching staff too are ready to help out to the best extent possible. So do not hesitate to share your problems if you have any.

I wish you all good health and happiness. Stay safe and keep fit, physically as well as emotionally.

Warmly,



Dr Swati Pal  
Principal